8. कः कथं केन वा गच्छति

(तृतीया-विभक्ति-प्रयोगः, सम्बोधनम्) (तृतीया-विभक्ति का प्रयोग तथा सम्बोधन)

हिंदी-अर्थ

श्वेता एक पैर से कूदती है।
हाथी पैरों से चलता है।
औरतें दो नावों से पार जाती हैं।
अर्पित मित्र के साथ पढ़ता है।
सचिन मित्रों के साथ खेलता है।

रमा दोनों पैरों से दौड़ती है।
वैभव नाव से पार जाता है।
लोग नावों से पार जाते हैं।
नमन दो मित्रों के साथ पढ़ता है।

सभी छात्र – हे आचार्या! आपको नमस्कार है।
अध्यापिका – छात्रों! नमस्कार। आज हम सब क्या पढ़ रहे हैं?
आशा – आचार्या जी ! आज हम सब मौखिक कार्य ही करना चाहते हैं।
अध्यापिका – सुन्दर ! अक्षय ! तुम विद्यालय कैसे आते हो?
अक्षय – मैं कार से विद्यालय आता हूँ।
अध्यापिका – लता ! सुधा ! तुम दोनों विद्यालय कैसे आती हो?
लता और सुधा – हम दोनों बस से विद्यालय आती हैं।
अध्यापिका – अमन ! तुम विद्यालय कैसे आते हो?
अमन – मैं तो साइकिल से विद्यालय आता हूँ।
अध्यापिका – लता ! तुम किससे लिखती हो?
लता – मैं कलम से लिखती हूँ।
अध्यापिका – अमन ! हम सब कैसे देखते हैं?
अमन – हम सब दो आँखों से देखते हैं।
अध्यापिका – हम सब मुँह से क्या करते हैं?
अक्षय – हम सब मुँह से खाते हैं, पीते हैं और बोलते हैं।
अध्यापिका – हम टेलीफोन से क्या करते हैं।
लता – हम टेलीफोन से बातचीत करते हैं। हम सब मोबाईल फोन से भी बातचीत करते हैं।

अध्यापिका – छात्रों ! अब हम सब श्लोक को गाते हैं।

सब गाते हैं – विद्या, शरीर (वपु), वाणी, वस्त्र और वैभव इन पाँच वकारों से युक्त मनुष्य गौरव को प्राप्त करता है।

अभ्यासः

संकलनात्मकं मूल्यांकनम्

1. **उच्चैः पठत–ऊँचे (स्वर में) पढ़िए–**
   यहाँ तृतीया विभक्ति और संबोधन के तीनों वचनों तथा तीनों लिंगों के रूप दिए गए हैं। छात्र इन्हें पढ़ें तथा याद करें।

2. **वाक्यानि पूरयितुम् उचितपदानि चिनुत–** (वाक्य पूरे करने के लिए उचित पद चुनिए–)
   (क) (3) पादेन ☑ (ख) (3) पादाभ्याम् ☑ (ग) (1) नौकाभिः ☑
   (घ) (4) मित्रैः ☑ (ङ) (2) कारयानेन ☑

3. **एकवाक्येन उत्तरत–** (एक वाक्य में उत्तर दीजिए–)
   यथा– (क) रमा पादाभ्याम् धावति।
   (ख) अक्षयः कारयानेन विद्यालयं गच्छति।
   (ग) लता सुधा च बसयानेन विद्यालयं गच्छतः।
   (घ) वयम् कलमेन लिखामः।
   (ङ) वयम् मुखेन खादामः, पिबामः, वदामः च।
   (च) वयं दूरभाषयन्त्रेण वार्तालापं कुर्मः।

4. **उचितक्रियापदं योजयित्वा वाक्यानि लिखत–** (उचित क्रियापद जोड़कर वाक्य लिखिए–)

वयम्	मुखेन	खादामः	**यथा–** वयम् मुखेन खादामः।
	नासिकया	जिघ्रामः	वयम् नासिकया जिघ्रामः।
	नेत्राभ्याम्	पश्यामः	वयम् नेत्राभ्याम् पश्यामः।
	कर्णाभ्याम्	आकर्णयामः	वयम् कर्णाभ्याम् आकर्णयामः।
	हस्ताभ्याम्	कार्यं कुर्मः	वयम् हस्ताभ्याम् कार्यं कुर्मः।
	पादाभ्याम्	धावामः	वयम् पादाभ्याम् धावामः।

5. **बहुवचने परिवर्तयत–** (बहुवचन में बदलिए–)

यथा– बालेन	–	**बालैः**	**यथा– लतया**	–	**लताभिः**
मुखेन	–	मुखैः	रमया	–	रमाभिः
कलमेन	–	कलमैः	नौकया	–	नौकाभिः
वृक्षेण	–	वृक्षैः	मालया	–	मालाभिः
पुस्तकेन	–	पुस्तकैः	नासिकया	–	नासिकाभिः
फलेन	–	फलैः	द्विचक्रिकया	–	द्विचक्रिकाभिः
पुष्पेण	–	पुष्पैः	विद्यया	–	विद्याभिः
कमलेन	–	कमलैः	रोटिकया	–	रोटिकाभिः

6. **समानार्थकपदं लिखत–** (समान अर्थ वाले शब्द लिखिए–)

शिक्षकः	–	अध्यापकः	श्रोत्रः	–	कर्णः
शिक्षिका	–	अध्यापिका	करः	–	हस्तः
माता	–	जननी	नयनम्	–	नेत्रम्
पिता	–	जनकः	चरणः	–	पादः
उपवनम्	–	उद्यानम्	रसना	–	जिह्वा